VISION IAS
INSPIRING INNOVATION

ऑल इंडिया इंटरएक्टिव

इतिहास

टेस्ट सीरीज 2025

प्रारंभ 1 जून, 2025

8 टेस्ट | 4 सेक्शन वाइज + 4 फुल लेंथ

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज

Vision IAS की मुख्य विशेषता है। प्रत्येक वर्ष हजारों छात्र अपने अंकों में सुधार के लिए **इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम™** पर आधारित Vision IAS टेस्ट सीरीज का लाभ उठाते हैं। हम टेस्ट सीरीज को बहुत ही गंभीरता से लेते हैं।

दृष्टिकोण और रणनीति:

हमारा सरल, व्यावहारिक और केंद्रित दृष्टिकोण अभ्यर्थियों को UPSC परीक्षा की मांग को प्रभावी ढंग से समझने में मदद करेगा। हमारी रणनीति निरंतर नवाचार करना है ताकि तैयारी प्रक्रिया को गतिशील बनाए रखा जा सके और मुख्य सक्षमता, समय व संसाधन की उपलब्धता तथा सिविल सेवा परीक्षा की आवश्यकता जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग अभ्यर्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके। हमारा इंटरएक्टिव लर्निंग दृष्टिकोण (अभ्यर्थी विशेषज्ञों से ईमेल / टेलीफोनिक माध्यम से परामर्श ले सकते हैं) अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाएगा और उनकी तैयारी को सही दिशा प्रदान करने में सहायक होगा।

अभ्यर्थियों के अनुकूल:

हम अपने अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत शेड्यूलिंग की सुविधा भी देते हैं। वे अपनी परीक्षा की अध्ययन योजना के आधार पर अपनी परीक्षाएं पुनः शेड्यूल कर सकते हैं। इसके अलावा, अभ्यर्थी हमारे किसी भी केंद्र पर आकर परीक्षा दे सकते हैं या अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी स्थान पर परीक्षा दे सकते हैं, और मूल्यांकन के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट की संख्या:	मॉड्यूल संख्या	फी स्ट्रक्चर: कुल पाठ्यक्रम फीस (सभी करों सहित)
8	3006	रु. 9000
प्रकृति:	**अभ्यर्थियों के अनुकूल - मॉक टेस्ट की तिथि:** अभ्यर्थियों की मांग पर पुनर्निर्धारित की जा सकती है। **(अभ्यर्थी टेस्ट की निर्धारित तिथि के बाद भी टेस्ट दे सकते हैं, परंतु टेस्ट की तिथि से पूर्व नहीं दे सकते हैं)** अभ्यर्थी Vision IAS के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से टेस्ट पेपर और अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं।	

इस टेस्ट सीरीज में अभ्यर्थियों को क्या उपलब्ध कराया जाएगा:

- अभ्यर्थियों के प्रदर्शन विश्लेषण **(इनोवेटिव असेसमेंट प्रणाली)** के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड
- **समेकित प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (8 मॉक टेस्ट: PDF फाइल्स)**
- विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका जिसमें उचित फीडबैक, टिप्पणियां और मार्गदर्शन प्रदान किए जाएंगे।
- मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर प्रारूप (संक्षिप्तसार)
- मॉक टेस्ट पेपर का विश्लेषण प्रश्नों की कठिनाई के स्तर और प्रकृति के आधार पर किया जाएगा।
- अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री

शुल्क में छूट संबंधी विवरण

विजन IAS के अभ्यर्थियों के लिए	विजन IAS के क्लासरूम प्रोग्राम अभ्यर्थियों के लिए	UPSC साक्षात्कार में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों के लिए	चयनित अभ्यर्थियों के लिए
25%	50%	40%	50%

इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम:

मॉक टेस्ट पेपर्स की स्टैटिक और डायनामिक क्षमता (स्कोरिंग पोटेंशियल) का मूल्यांकन, अभ्यर्थियों के मैक्रो और माइक्रो प्रदर्शन का विश्लेषण, अनुभागवार (सेक्शन वाइज) विश्लेषण, कठिनाई स्तर का विश्लेषण, ऑल इंडिया रैंक, टॉपर्स के साथ तुलना, भौगोलिक विश्लेषण, एकीकृत स्कोर कार्ड, कठिनाई स्तर और प्रश्नों की प्रकृति इत्यादि के आधार पर मॉक टेस्ट पेपर्स का विश्लेषण।

नोट

- ऑनलाइन/दूरस्थ शिक्षा प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी Vision IAS ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका और मॉक टेस्ट पेपरों का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) डाउनलोड कर सकते हैं।
- प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका, मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) नहीं भेजा जाएगा।
- अन्य आवश्यक सामग्री/संदर्भ सामग्री/सहायक सामग्री केवल पीडीएफ प्रारूप में प्रदान की जाएगी और उसे भेजा नहीं जाएगा।
- टेस्ट परिचर्चा से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के होम पेज पर दी जाएगी।

DISCLAIMER

- Vision IAS अध्ययन सामग्री केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है। यदि कोई अभ्यर्थी Vision IAS अध्ययन सामग्री के कॉपीराइट के किसी भी उल्लंघन में संलिप्त पाया जाता है, तो ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी का टेस्ट सीरीज में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
- अभ्यर्थी को UPSC रोल नंबर और अन्य विवरण **registration@visionias.in** पर उपलब्ध कराने होंगे।
- हमारे पास **नकद में शुल्क भुगतान** की **कोई सुविधा नहीं है।**
- एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही हस्तांतरित किया जाएगा।
- VISION IAS प्रवेश से संबंधित सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।
- VISION IAS को अधिकार है कि यदि आवश्यक हो, तो वह टेस्ट सीरीज के शेड्यूल/टेस्ट लेखन के दिन और समय इत्यादि में कोई भी बदलाव कर सकेगा।
- **Vision IAS के परीक्षा केंद्र बृहस्पतिवार को टेस्ट लेखन के लिए बंद रहेंगे।**

शेड्यूल, कंटेन्ट और संदर्भ स्रोत

टेस्ट संख्या (टेस्ट Code)	तिथि	सम्मिलित इकाइयां और टॉपिक	स्रोत/संदर्भ
टेस्ट 1 [3412]	1 जून, 2025	**प्राचीन भारत** 1. स्रोत: पुरातात्विक स्रोत: अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेख, मुद्राशास्त्र, स्मारक। **साहित्यिक स्रोत:** - स्वदेशी: प्राथमिक और द्वितीयक; कविता, वैज्ञानिक साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, धार्मिक साहित्य। - विदेशी वृत्तांत: यूनानी, चीनी और अरब लेखक। 2. प्रागैतिहासिक एवं आद्य-इतिहास: भौगोलिक कारक; आखेट एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण); कृषि का प्रारंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण); शिल्प एवं प्रौद्योगिकी का विकास। 3. सिंधु घाटी सभ्यता: उत्पत्ति, तिथि, विस्तार, विशेषताएं, पतन, उत्तरजीविता और महत्व, कला एवं वास्तुकला। 4. वैदिक काल: समाज, अर्थव्यवस्था, राज्यव्यवस्था, धर्म, कला और संस्कृति; वैदिक ग्रंथों का महत्व। 5. महाजनपद: गठन, भौगोलिक अवस्थिति, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक जीवन; शहरी केंद्रों का उदय। 6. आरंभिक बौद्ध धर्म और जैन धर्म: सिद्धांत, महत्व, कला और वास्तुकला। 7. मौर्य साम्राज्य: स्रोत, उत्थान, विस्तार, प्रशासन, पतन, कला, वास्तुकला और शिलालेखों का महत्व। 8. मौर्योत्तर काल: (इंडो-यूनानी, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप): मध्य एशिया के साथ संपर्क, समाज एवं संस्कृति, कालानुक्रम, राजनीतिक इतिहास, व्यापार, सिक्के, कला (गांधार कला, मथुरा कला, अमरावती कला शैली)। 9. दक्षिण भारत में प्रारंभिक राज्य एवं समाज: (ईसा पूर्व काल से लगभग 10वीं शताब्दी ई. तक): स्रोत, राज्यव्यवस्था एवं प्रशासन; भौतिक संस्कृति, अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना, धर्म, भाषा एवं साहित्य, कला एवं वास्तुकला। 10. गुप्त, वाकाटक और वर्धन: राज्यव्यवस्था और प्रशासन, अर्थव्यवस्था, सिक्के, व्यापार, भूमि अनुदान, समाज, संस्कृति, कला, वास्तुकला, साहित्य और धर्म। 11. गुप्त काल के दौरान क्षेत्रीय राज्य: (कदंब, पल्लव, बादामी के चालुक्य): राज्यव्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय सरकार; कला और वास्तुकला का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिरों और मठों की संस्थाएं, अग्रहार, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थव्यवस्था और समाज। 12. आरंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के विषय: भाषाएं और ग्रंथ, कला और वास्तुकला के विकास में प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक विचारक और दर्शन, विज्ञान और गणित में विचार।	1. प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास - **उपिंदर सिंह** 2. अद्भुत भारत - **ए.एल. बाशम** 3. भारत का प्राचीन इतिहास, लेखक - **आर.एस. शर्मा** 4. प्राचीन इतिहास के लिए इग्नू **नोट्स** 5. प्राचीन भारत, लेखक - **डी.एन. झा** 6. भारत का ऐतिहासिक एटलस - **स्पेक्ट्रम**

टेस्ट 2 [3413]	**15 जून, 2025**	**मध्यकालीन इतिहास** 1. पूर्व मध्यकालीन भारत (750-1200 ई.) राजव्यवस्थ: उत्तरी भारत और प्रायद्वीप में प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उदय और उत्थान। चोल: प्रशासन, ग्राम अर्थव्यवस्था, समाज, व्यापार और वाणिज्य। 2. पूर्व मध्यकालीन भारत (750-1200 ई.): संस्कृति साहित्य, कला और वास्तुकला, धार्मिक विचार, संस्थाएं, भक्ति आंदोलन। 3. राज्यव्यवस्था, प्रशासन और अर्थव्यवस्था: उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम, दिल्ली सल्तनत का उद्भव और उत्थान, विजयनगर साम्राज्य, बहमनी साम्राज्य, भक्ति आंदोलन और सूफी मत। 4. संस्कृति, साहित्य, कला एवं स्थापत्य: भक्ति और सूफी आंदोलन जैसे धार्मिक आंदोलन, कला और वास्तुकला, भाषा और साहित्य का विकास, अर्थव्यवस्था और समाज के मुख्य पहलू। 5. मुगल काल (16वीं-17वीं शताब्दी): स्रोत, सूर साम्राज्य; प्रशासन; संस्कृति, साहित्य, कला और स्थापत्य, कृषि और शिल्प उत्पादन, प्रौद्योगिकी और उद्योग, समाज, धर्म, यूरोप के साथ वाणिज्य। मुगल साम्राज्य (17वीं शताब्दी): जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब की प्रमुख राजनीतिक, प्रशासनिक और धार्मिक नीतियां। मुगल साम्राज्य (18वीं शताब्दी): प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास; मुगल साम्राज्य का पतन। 6. पंद्रहवीं और पूर्व सोलहवीं शताब्दी - राजनीतिक विकास और अर्थव्यवस्था प्रांतीय राजवंशों का उदय: बंगाल, कश्मीर (जैन-उल-अबिदीन), गुजरात, मालवा, बहमनी, विजयनगर साम्राज्य, लोदी, मुगल साम्राज्य का पहला चरण (बाबर, हुमायूँ)। सूर साम्राज्य: शेरशाह का प्रशासन। पुर्तगाली औपनिवेशिक उद्यम, भक्ति और सूफी आंदोलन। 7. पंद्रहवीं और पूर्व सोलहवीं शताब्दी - समाज और संस्कृति, क्षेत्रीय संस्कृतियां: विशिष्टताएं, साहित्यिक परंपराएं, धार्मिक विकास (भक्ति और सूफी आंदोलन)। 8. अठारहवीं शताब्दी: स्वतंत्र क्षेत्रीय राज्यों का उदय: अवध, बंगाल, हैदराबाद, दक्कन के निजाम, बंगाल, अवध, पेशवाओं के अधीन मराठा वर्चस्व, राजकोषीय और वित्तीय प्रणाली, अफगान शक्ति, पानीपत का युद्ध (1761), ब्रिटिश विजय की पूर्व संध्या पर राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों की स्थिति।	1. प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास - **उपिंदर सिंह** 2. मध्यकालीन भारत का इतिहास - **सतीश चंद्र** 3. मध्यकालीन इतिहास के लिए **इग्नू नोट्स** 4. एडवांस स्टडी इन द हिस्ट्री ऑफ मिडिवल इंडिया - **जे.एल.मेहता** 5. मुगल भारत की कृषि प्रणाली 1556-1707 **- इरफान हबीब**

टेस्ट 3 [3414]	**22 जून, 2025**	**आधुनिक भारत का इतिहास** 1. भारत में यूरोपीय आगमन आरंभिक यूरोपीय बस्तियां: पुर्तगाली, डच, अंग्रेजी और फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियां। वर्चस्व के लिए संघर्ष: कर्नाटक युद्ध, बंगाल - अंग्रेजों और बंगाल के नवाबों (सिराज और अंग्रेज) के बीच संघर्ष; प्लासी का युद्ध (1757); बक्सर का युद्ध (1764)। 2. भारत में ब्रिटिश विस्तार: बंगाल, बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसी: भारतीय शक्तियों - मैसूर, मराठा, सिख द्वारा प्रतिरोध और उनकी विफलता के कारण। 3. कंपनी का प्रशासन: सिविल, न्यायिक, पुलिस और राजस्व प्रशासन। रियासतों के प्रति नीति: सर्वश्रेष्ठता का सिद्धांत। 4. कंपनी शासन के विरुद्ध आरंभिक प्रतिरोध: किसान और जनजातीय विद्रोह; 1857 का विद्रोह: कारण, प्रकृति, घटनाक्रम और परिणाम।	1. प्लासी से विभाजन तक और उसके बाद - **शेखर बंद्योपाध्याय** 2. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष, - **बिपिन चंद्र** 3. आधुनिक भारत का इतिहास के लिए **इग्नू नोट्स** 4. आधुनिक भारत का इतिहास एक नवीन मूल्यांकन - **बी.एल. ग्रोवर** 5. आधुनिक भारत, **सुमित सरकार** 6. इंडिया आफ्टर गांधी - **रामचन्द्र गुहा**
		5. ब्रिटिश उपनिवेशवाद का आर्थिक प्रभाव भूमि राजस्व व्यवस्थाएं: स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महलवाड़ी। कृषि का वाणिज्यीकरण। भूमिहीन खेतिहर श्रमिकों का उदय। हस्तशिल्प का ह्रास। गरीबी और अकाल। धन का निष्कासन। 6. सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास शिक्षा: आधुनिक शिक्षा का विकास। सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन: बंगाल एवं अन्य क्षेत्र। सामाजिक सुधार में महिलाएं। 7. राष्ट्रवाद का उदय राष्ट्रीय जागृति के चरण: सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन। राष्ट्रवाद में योगदान देने वाले कारक: प्रेस, साहित्य, शिक्षा और नेतृत्व। 8. राजनीतिक संघ 19वीं शताब्दी में राजनीतिक संघों का गठन। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस: गठन, नरमपंथी (उदारवादी) बनाम गरमपंथी (उग्रवादी)। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान राष्ट्रीय आंदोलन और खिलाफत आंदोलन। 9. गांधी और जन आंदोलन गांधी के विचार और नेतृत्व: असहयोग, सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो आंदोलन, राज्यों के जन आंदोलन। 10. भारत की स्वतंत्रता और विभाजन की ओर: भारत की स्वतंत्रता की मांग के प्रति ब्रिटिश दृष्टिकोण; कैबिनेट मिशन; द्वितीय विश्व युद्ध का प्रभाव। स्वतंत्रता और विभाजन। 11. राष्ट्रीय आंदोलन के अन्य क्रांतिकारी पहलू: बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मद्रास प्रेसीडेंसी, भारत के बाहर वामपंथी आंदोलन: जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, कांग्रेस समाजवादी दल (सोशलिस्ट पार्टी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी। 12. अलगाववाद की राजनीति मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा, सांप्रदायिकता और विभाजन की राजनीति, सत्ता का हस्तांतरण। 13. एक राष्ट्र के रूप में एकीकरण नेहरू की विदेश नीति। भारत और उसके पड़ोसी (1947-1964)। राज्यों का भाषाई आधार पर पुनर्गठन (1950-1960)। क्षेत्रवाद और क्षेत्रीय असमानता। रियासतों का एकीकरण।	

टेस्ट 4 [3415]	**29 जून, 2025**	**विश्व इतिहास** 1. पुनर्जागरण और प्रबोधन पुनर्जागरण: महत्व, प्रसार और यूरोप पर प्रभाव। प्रबोधन: प्रमुख विचार, उपनिवेशों में प्रबोधन का प्रसार, समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक)। 2. औद्योगिक क्रांति इंग्लैंड: कारण और समाज पर प्रभाव। अन्य देशों: अमेरिका, जर्मनी, रूस, जापान में औद्योगीकरण। औद्योगीकरण और वैश्वीकरण। 3. राष्ट्र-राज्य व्यवस्था 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय। जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण। साम्राज्यों का विघटन और दुनिया भर में राष्ट्रीयताओं का उदय। 4. दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद। नव-साम्राज्यवाद: मुक्त व्यापार के माध्यम से साम्राज्यवाद का उदय। 5. क्रांतियां और प्रतिक्रांतियां 19वीं सदी की यूरोपीय क्रांतियां। रूसी क्रांति (1917-1921)। फासीवादी प्रतिक्रांतियां: इटली और जर्मनी। चीनी क्रांति (1949)। 6. विश्व युद्ध प्रथम विश्व युद्ध: कारण, सामाजिक निहितार्थ, परिणाम। द्वितीय विश्व युद्ध: कारण, सामाजिक निहितार्थ, परिणाम। संपूर्ण युद्ध: समाज पर प्रभाव। 7. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व, दो शक्ति गुटों का उदय, तीसरी दुनिया और गुटनिरपेक्षता का उदय, संयुक्त राष्ट्र संगठन (UNO) और वैश्विक विवाद। 8. औपनिवेशिक शासन से मुक्ति लैटिन अमेरिका (बोलिवर)। अरब जगत (मिस्र)। अफ्रीका (रंगभेद से लोकतंत्र तक)। दक्षिण-पूर्व एशिया (वियतनाम)। 9. वि-औपनिवेशीकरण और विकास पर अविकसितता संबंधी बाधाएं: लैटिन अमेरिका और अफ्रीका। 10. युद्धोपरांत यूरोप का एकीकरण: नाटो, यूरोपीय समुदाय। यूरोपीय समुदाय का एकीकरण और विस्तार। यूरोपीय संघ का गठन। 11. सोवियत संघ का विघटन और एकध्रुवीय विश्व का उदय: सोवियत साम्यवाद और सोवियत संघ का पतन (1985-1991)। पूर्वी यूरोप में राजनीतिक परिवर्तन (1989-2001)। शीत युद्ध का अंत और अमेरिका का एकमात्र महाशक्ति के रूप में उदय।	1. आधुनिक विश्व का इतिहास - **रंजन चक्रवर्ती** 2. मास्टरिंग मॉडर्न वर्ल्ड हिस्ट्री - **नॉर्मन लोवे** 3. विश्व इतिहास के लिए **इग्नू नोट्स** 4. सभ्यता की कहानी, भाग 2 - **अर्जुन देव, NCERT** 5. आधुनिक विश्व का इतिहास - **जैन और माथुर**
टेस्ट 5 [3416]	**6 जुलाई, 2025**	**इतिहास प्रश्न-पत्र I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**	
टेस्ट 6 [3417]	**13 जुलाई, 2025**	**इतिहास प्रश्न-पत्र II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**	
टेस्ट 7 [3418]	**20 जुलाई, 2025**	**इतिहास प्रश्न-पत्र I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**	
टेस्ट 8 [3419]	**27 जुलाई, 2025**	**इतिहास प्रश्न-पत्र II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**	

फोकस:

उत्तर लेखन कौशल का विकास, उत्तर की संरचना एवं प्रस्तुतिकरण, उत्तर में तथ्यों, जानकारी और ज्ञान को प्रस्तुत करने के तरीके, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों में UPSC की वास्तविक मांग (जैसे कि - की वर्ड्स, कॉन्टेक्स्ट और कंटेंट) को समझना तथा अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु (रणनीति एवं दृष्टिकोण) प्रश्नों को कैसे अटेम्प्ट किया जाना चाहिए, अपनी वर्तमान तैयारी और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझना तथा वास्तविक UPSC परीक्षा के पैटर्न, कठिनाई और समय-सीमा को समझने के लिए अपने मन को तैयार करना।

धारणा या दर्शन:

UPSC मुख्य परीक्षा का पैटर्न बहुत ही डायनामिक और अप्रत्याशित है। इसलिए मॉक टेस्ट पेपर UPSC के नवीनतम पैटर्न के आधार पर तैयार किए जाने चाहिए।

UPSC मानदंड:

UPSC निर्देशों के अनुसार लिखित आईएएस परीक्षा में अभ्यर्थी के प्रदर्शन के आकलन के लिए मानदंड:

"मुख्य परीक्षा का उद्देश्य केवल अभ्यर्थियों की जानकारी और याद रखने की बजाय उनकी समग्र बौद्धिक

कार्यप्रणाली:

उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की कार्यप्रणाली: हमारे विशेषज्ञ UPSC के क्षेत्र में अपने अनुभव का उपयोग करते हुए निम्नलिखित संकेतकों पर अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन संकेतक
1. संदर्भ संबंधी क्षमता
2. विषय-वस्तु संबंधी क्षमता
3. भाषा संबंधी क्षमता
4. भूमिका संबंधी क्षमता
5. संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता
6. निष्कर्ष संबंधी क्षमता
अंक

स्कोर: स्केल: 1- 5:

5	4	3	2	1
अति उत्कृष्ट	उत्कृष्ट	अच्छा	औसत	खराब

- प्रश्नों की प्रकृति और विशेषज्ञ के UPSC अनुभव के आधार पर प्रत्येक मूल्यांकन संकेतक के भारांश पर उचित विचार के बाद प्रश्न में कुल अंक प्रदान किए जाते हैं।
- किसी भी प्रश्न के लिए प्रत्येक संकेतक का स्कोर अभ्यर्थी के योग्यता संबंधी प्रदर्शन (प्रश्न की गुणवत्ता के स्तर और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझने के लिए) को उजागर करेगा।

डिज़ाइन की गई निम्नलिखित क्षमताओं की मूलभूत समझ:

प्रसंग संबंधी क्षमता:

- प्रश्न की मुख्य मांग/विषयवस्तु को समझना अर्थात प्रश्न के संदर्भ की व्यापक समझ विकसित करना। साथ ही, प्रश्न में प्रयोग किए गए 'की वर्ड्स' और 'टेल वर्ड्स' पर ध्यान केंद्रित करके उत्तर को सुव्यवस्थित करना। टेल वर्ड्स जैसे स्पष्ट कीजिए, व्याख्या कीजिए, टिप्पणी कीजिए, परिक्षण कीजिए, समालोचनात्मक परिक्षण कीजिए, चर्चा कीजिए, विश्लेषण कीजिए, समझाइए, समीक्षा कीजिए, तर्क प्रस्तुत कीजिए, औचित्य सिद्ध कीजिए आदि।

विषय-वस्तु संबंधी क्षमता:

- प्रश्न के प्रसंग संबंधी समझ और प्रवाह के अनुसार उत्तर लिखना तथा तदनुसार उदाहरणों, तथ्यों, आंकड़ों, तर्कों, आलोचनात्मक विश्लेषण आदि के माध्यम से उसे प्रमाणित करना।

भाषा संबंधी क्षमता:

- उचित वाक्य निर्माण और सरल अभिव्यक्ति में विषय-वस्तु को व्यवस्थित करना।
- शब्द सीमा बनाए रखने और प्रश्न को समय पर पूरा करने के लिए तकनीकी शब्दों का उचित और सही उपयोग करना।

भूमिका संबंधी क्षमता:

- पृष्ठभूमि, डेटा, संबंधित समसामयिक समाचार आदि देकर उत्तर को आरंभ करने के लिए प्रभावी और प्रासंगिक शुरूआत की आवश्यकता है।

संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता:

- उत्तर में अपेक्षित कनेक्टिविटी और प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रश्न के विभिन्न भागों के अनुसार सामग्री को व्यवस्थित करना।
  उत्तर सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए हैडिंग और सब-हैडिंग, बुलेट पॉइंट्स, फ्लोचार्ट, आरेख आदि का उपयोग करना।

निष्कर्ष संबंधी क्षमता:

- आगे की राह, नवीन समाधान सुझाते हुए, विभिन्न विचारों/परिप्रेक्ष्यों को संतुलित तरीके से शामिल करते हुए, निष्कर्ष सहित उत्तर को समाप्त करना।

Heartiest

Congratulations

to all Successful Candidates

10 in **TOP 10** Selections in **CSE 2024**

from various programs of **Vision IAS**

Shakti Dubey

Harshita Goyal

Dongre Archit Parag

Shah Margi Chirag

Aakash Garg

Komal Punia

Aayushi Bansal

Raj Krishna Jha

Aditya Vikram Agarwal

Mayank Tripathi

हिंदी माध्यम में 25+ चयन CSE 2024 में

Ankita Kanti

Ravi Raaz

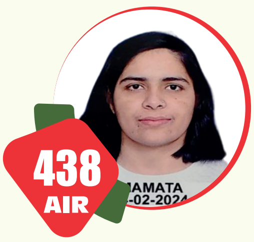

Mamata

Sukh Ram

Amit Kumar Yadav

DELHI

HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in /@visioniashindi /visionias.upsc /vision_ias_hindi/ /hindi_visionias

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे रांची